सिर उजाला पेज संख्या 4 दिनांक 11 Jan 2023

सफेद रतुआ की चपेट में सरसों की फसल

तीव्र गति से फूलों और फलियों पर फैलता है रोग, नहीं निकलते हैं दाने

संवाद न्यूज एजेंसी

बख्शी का तालाब। राजधानी से सटे इटौंजा, बख्शी का तालाब, महोना, अमानीगंज, महिंगवा, मोहनलालगंज, माल और मलिहाबाद में सरसों की फसल सफेद रतुआ बीमारी की चपेट में आ चुकी है। यह सामने आया है कि एक सर्वे में।

यह रोग तीव्र गति से फूलों और फलियों पर फैलता है। इससे फलियों में दाने बिल्कुल नहीं बनते है। बनते भी है तो तेल बिल्कुल भी नहीं निकलता है।

चंद्रभानु गुप्त कृषि स्नातकोत्तर महाविद्यालय के कृषि विशेषज्ञ डॉ. सत्येंद्र कुमार सिंह ने बताया कि एक सप्ताह से नाममात्र की धूप निकल रही है। तापमान छह से आठ डिग्री सेल्सियस के बीच बना हुआ है और आर्द्रता 90 प्रतिशत से ऊपर है। ये कारक सरसों की फसल पर बीमारी की आशंका को बढ़ाते हैं। तापमान बहुत कम होने पर सफेद रतुआ तेजी से फैलता है।

इस रोग के प्रमुख लक्षणों में सरसों की पत्तियों में निचली सतह पर गोल आकार के सफेद तथा बादामी रंग के धब्बे बनते हैं। इससे ग्रसित पत्तियों की ऊपरी सतह पीली तथा गुलाबी रंग की हो जाती है। धीरे-धीरे यह रोग पूरे पौधे पर फैल जाता है।

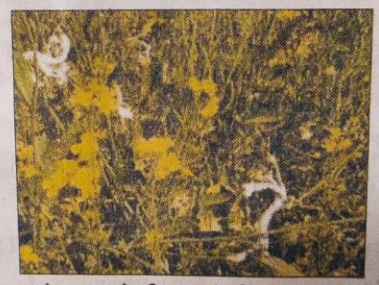

सफेद रतुआ से ग्रसित सरसों की फसल। - संवाद

ऐसे बचाएं फसल को

डॉ. सत्येंद्र बताते हैं कि इस रोग के लक्षण दिखाई दें तो शीघ्र ही फफूंदी नाशक का छिड़काव करें। इसमें प्रमुख रूप से मैटलैक्सिल 4 प्रतिशत तथा मैनकोजेब 68 प्रतिशत का छिड़काव अधिक लाभकारी होता है। दोनों रसायनों को मिलाकर तीन ग्राम मात्रा को प्रति लीटर पानी के दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।

ठंड में सरसों की फसल पर सफेद रतुआ बीमारी की आशंका

अमृत विचार, बीकेटी। एक सप्ताह का समय होने वाला है। धूप बिल्कुल नहीं निकल रही है और वातावरण में तापक्रम निम्न स्तर पर बना हुआ है। प्रमुख रूप से वातावरण का तापक्रम 6 से 8 डिग्री सेल्सियस बना हुआ है और आद्रता 90% से ऊपर है। जो कि सरसों की फसल पर बीमारी अधिक बढ़ाती हैं। प्रमुख रूप से बहुत कम तापक्रम पर सफेद रतुआ तेजी से फैल रहा है। जिले के इटौंजा, महोना, मोहनलालगंज, बख्शी का तालाब, माल एवं मलिहाबाद के कई क्षेत्र में सर्वे करने पर पता चला की इन क्षेत्रों में रतुआ बीमारी तेजी से फैल रही है। इस बीमारी को किसान समझ नहीं पाते और जब तक समझते हैं तब तक पूरी की पूरी फसल चौपट हो जाती है। प्रमुख रूप से रोग के लक्षणों पत्तियों की निचली सतह पर गोल आकार के सफेद तथा बादामी रंग के धब्बे बनते हैं। कृषि विशेषज्ञ डॉ सत्येंद्र कुमार सिंह ने बताया की किसान अपने खेतों की निगरानी करते रहे जब इस प्रकार के लक्षण दिखाई दें तो शीघ्र ही फफूंदी नाशक का छिड़काव करें प्रमुख रूप से मैटलैक्सिल 4% तथा मैनकोज़ेब 68% का छिड़काव अधिक लाभकारी होता है।